भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 4380
गुरुवार, 19 मार्च, 2026/28 फाल्गुन, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

तिरुचिरापल्ली अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन से उड़ानें

4380. श्री दुरई वाइको:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का 'उड़े देश का आम नागरिक' (उड़ान) योजना के अंतर्गत तिरूचिरापल्ली अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन से देश के पूर्वी और पूर्वोत्तर भागों के गंतव्यों के लिए उड़ान सेवाएं शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को देश के पूर्वी और पूर्वोत्तर भागों, विशेषकर पश्चिम बंगाल, असम, आरखंड और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के लिए बेहतर हवाई संपर्क के लिए तिरुचिरापल्ली अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन से यात्रियों की बढ़ती मांग की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का 'उड़ान' योजना के अंतर्गत देश के पूर्वी और पूर्वोत्तर भागों में तिरुचिरापल्ली अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन को किसी अल्पसेवित या बिना सेवा वाले विमानपत्तनों से जोड़ने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने देश के असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने और आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान (उड़ देश का आम नागरिक) शुरू की है।

उड़ान योजना के प्रावधानों के अंतर्गत, तिरुचिरापल्ली हवाईअड्डा एक सेवित हवाईअड्डा होने के नाते किसी भी असेवित अथवा अल्पसेवित हवाईअड्डे के साथ संपर्क हेतु उपलब्ध है। तथापि, आज की तारीख तक, किसी भी एयरलाइन बोलीदाता ने देश के पूर्वी अथवा पूर्वोत्तर के हिस्सों सहित तिरुचिरापल्ली को किसी भी असेवित अथवा अल्पसेवित हवाईअड्डे से जोड़ने वाली आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है।

******